परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

*** विशेष सहयोगी ***

प्रदीपकुमार जैन, नौहरकलां, भोपाल
अरविन्दकुमार जैन, तुमसर

*** आजीवन सदस्य ***

विमलचंद जैन, सोनकच्छ
डॉ. प्रेमचंद जैन, बैंगलोर
कमलकुमार जैन, नेहरु नगर, भोपाल
फूलचंद जैन, साउथ तुकोगंज, इन्दौर
अरविन्दकुमार जैन, विदिशा
कुन्दनलाल मानोरिया, विदिशा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/-
फुल पेज (अंदर)	5000/-
1/2 पेज	3000/-
1/4 पेज	1500/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/-
शोक संदेश फोटो सहित	500/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन द्वारा श्री राजेन्द्रकुमार जैन, हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड या पत्रिका कार्यालय इन्दौर पर भेजें।

जिनालय में मानस्तंभ व वेदियों का शिलान्यास संपन्न

शांतीकुमार जैन, गंजबासौदा । जिन शासक प्रभावक एकमात्र जिनालय ही होता है जिसकी पुनीत छाँव में पाप कालिमा धुल जाती है और स्वर्ग मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। मंदिर निर्माण एवं मूर्ति विराजमान करने वाले सतिशय पुण्य का अर्जन करते हैं। दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ के गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान चारों कल्याणकों से सुशोभित भददलपुर (विदिशा) नगरी के अंचल में स्थित गंजबासौदा के हृदय स्थल गाँधी चौक में 550 वर्ष प्राचीन 1008 श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर के जीर्णोद्धार/पुर्ननिर्माण का कार्य संत शिरोमणी दिगम्बराचार्य परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं उन्हीं के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 अजितसागरजी महाराज एवं पूज्य एलक श्री 105 विवेकानंदजी महाराज की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में प्रगति पर है । नवीन स्वरूप के इस प्रयास की इसी श्रंखला मे दिनांक 26.04.2015 को आर्यिका रत्न 105 तपोमति माताजी के ससंघ सान्निध्य में मानस्तंभ व 6 वेदियों का शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें संपूर्ण समाज ने अपनी उपस्थिति दी । मंदिर परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रथम व द्वितीय तल पर बनने वाली 6 वेदी एवं मानस्तंभ का शिलान्यास पूरे विधी विधान व शास्त्रानुसार हुआ । शिलान्यास के एक दिन पूर्व मुनिश्री अजितसागरजी महाराज के 17वें मुनि दीक्षा दिवस के अवसर पर श्री भक्तामर महामंडल विधान सहित अनेक कार्यक्रम हुये । मानस्तंभ का शिलान्यास मानस्तंभ निर्माण कराने वाले स.सिं. अनिल जैन दीवाकीर्ति एवं प्रवीणकुमार नवीनकुमार जैन दिवाकीर्ति परिवार ने किया एवं इसी प्रकार प्रथम तल पर बनने वाली मूलनायक भगवान की वेदी का शिलान्यास करने का सौभाग्य श्री राजेन्द्रकुमार नवीनकुमार भंडारी तथा द्वितीय तल पर बनने वाली मूलनायक भगवान की वेदी का शिलान्यास करने का सौभाग्य श्रीमती अंगूरीदेवी जैन को प्राप्त हुआ एवं अन्य 4 वेदियों का शिलान्यास वेदियों के पुण्यार्जक श्री रमेशचंद नीतेश भंडारी 'वीर जनरल स्टोर', श्री नेमीचंद संजयकुमार जैन एडवोकेट, श्री मुन्नालाल जैन जितेन्द्र जैन अमित जैन दिवाकीर्ति परिवार एवं श्रीमती शांतिबाई धर्मपत्नी स्व. श्री जयकुमारजी जैन श्री प्रेमचंद जैन एसडीओ ने किया । संपूर्ण कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्र. श्री प्रदीप भैया 'सुयश' अशोकनगर के निर्देशन में हुआ ।

कार्यक्रम में मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान की 61 इंच पदमासन प्रतिमा विराजमान कराने की घोषणा श्रीमती कमलाबाई धर्मपत्नी स्व. श्री डी.एल. जैन एवं उनके सुपुत्र डॉ. संदीप जैन प्रोफेसर कालोनी भोपाल द्वारा की गई एवं श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की 61 इंच खड्गासन प्रतिमा विराजमान कराने की घोषणा नगर गौरव सुश्री आराधना बहिनजी आदर्श भैया राकेश कुमार गौरव कुमार जैन द्वारा की गई । शेष प्रतिमाओं के पुण्यार्जक श्री रामेशचंद नीतेश भंडारी, श्री सनतकुमार अमितकुमार भंडारी, श्री शिखरचंद राजेशकुमार ऋतुज कुमार राजनकुमार वैशाखिया द्वारा पूर्व में घोषणा की जा चुकी है। आराधना दीदी ने मुख्य वेदी पर एक मूर्ति विराजमान करने का संकल्प लिया है, इसी प्रकार मानस्तंभ में विराजमान होने वाले 8 जिनबिम्ब में से डॉ. डी.के. जैन, श्रीमती बसंती बाई धर्मपत्नी स्व. श्री नंदनलालजी दिवाकीर्ति, श्री निशंककुमार निशल्य कुमार जैन डेरिया परिवार, श्री ज्ञानचंद अनिलकुमार सुनील कुमार संजीवकुमार भंडारी द्वारा एक एक जिनबिम्ब विराजित करने की घोषणा की गई । जैन परम्परा की आध्यात्मिक आस्था का केन्द्र रहा 1008 श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्राचीन काल से ही साहित्यिक रूप से समृद्ध रहा । मंदिर के आधार तल से सोलहवी, सत्रहवीं और अठारहवी सदी के 535 हस्तलिखित ग्रंथ सुरक्षित मिले है जो संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, अद्धमग्धी और हिन्दी भाषा में रचित है जो मंदिर के आचार्य ज्ञानसागर ग्रंथालय में सुरक्षित रखे है।

मंदिरजी में 2 मूलनायक वेदी, मानस्तंभ में 4 जिनबिम्ब, 3 शिखर, जिनालय गर्भ गृह प्रवेश द्वार, मुख्य प्रवेश द्वार के पुण्यार्जक शेष है। पुण्यार्जक महानुभाव बनने के लिए मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री नेमीचंद जैन एडवोकेट (9425150286), कार्याध्यक्ष श्री शांतिकुमार जैन (9425149105) महामंत्री सिद्धार्थ भुजंग (9893779177), मंत्री राजेन्द्र जैन चार्ली (8962158995) व नवीन भंडारी (9893256968) से संपर्क कर सकते है ।

सिद्ध क्षेत्र शिखरजी पर हैलीपेड बनाने का प्रस्ताव ।

हमारे प्रसिद्ध तीर्थस्थल मधुबन को हाईटेक बनाने की दिशा में पहल शुरु हो गई है। इस उद्देश्य के साथ नागर विमानन के अपर मुख्य सचिव सजल चक्रवर्ती ने पारसनाथ पहाड़ पर हैलीपेड बनाने का सुझाव दिया और आशा व्यक्त की, कि भविष्य में मधुबन को विश्वस्तरीय पर्यटक स्थल बनाया जा सकेगा। उन्होंने सरकार की ओर से संकेत मिलने के बाद कहा कि यदि जैन धर्म के लोग पारसनाथ पहाड़ पर जमीन उपलब्ध कराए तो सरकार वहां पर एक हैलीपेड का निर्माण करा सकती है इसमें जैन श्रद्धालुओं को आने-जाने में बहुत आसानी होगी और वे सीधे पारसनाथ पहाड़ पर ही उतरकर दर्शन सकेंगे । राज्य सरकार द्वारा मधुबन विकास के लिए पर्यटन विभाग ने प्रथम दौर में लगभग 9.50 करोड़ रुपये जारी किए गए । राज्य सरकार द्वारा पारसनाथ व आसपास के 22 गांवों का चयन कर विकास की रुपरेखा तैयार की जा रही है। पारसनाथ डेवलपमेंट प्लान के तहत मधुबन में बिजली, पानी, सड़क के साथ पारसनाथ टोंक तक वंदना पथ का निर्माण, मधुबन में यात्रियों के लिए स्वास्थ उपकेन्द्र, मनोरंजन पार्क व डोली मजदूरों के लिए शेड इत्यादि निर्माण की योजना भी बनाई जा रही है ।

प्रदेश की आंगनवाड़ी में अभक्ष्य पदार्थों का वितरण बंद होगा ।

108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के दर्शन को जबलपुर सिलवारा घाट पर म.प्र. शासन के दो मंत्रियों डॉ. गौरीशंकर बिसेन व शरद जैन ने चर्चा पश्चात घोषणा की है कि प्रदेश की आंगनबाड़ी में अंडा एवं मछली का वितरण बंद कर दिया जायेगा ।

भारत विकास परिषद बुंदेलखंड प्रांत के चुनाव में श्री राजेश जैन बने प्रांतीय अध्यक्ष

भारत विकास परिषद बुंदेलखंड प्रांत के चुनाव, चुनाव अधिकारी डॉ. आर.वी.श्रीवास्तव (दिल्ली) एवं मुकेश जैन (लखनऊ) के निर्देशन में तथा डॉ. संजीव जैन कड़की की अध्यक्षता में संपन्न हुए । जिसमें श्री राजेश जैन 'बीड़ीवालों' को निर्विरोध भारत विकास परिषद बुंदेलखंड प्रांत का अध्यक्ष चुना गया । इस अवसर पर बाहुबली जैन, दीपक सिंघई, देवेन्द्र सिंघई, शिरोमणि जैन, विवेक सोनी, मनीष अग्रवाल, अजय जैन, अमिताभ नगरिया, राहुल दुबे, नरेन्द्र मोदी, निर्मल अग्रवाल, संदीप गोस्वामी, रामदेवी गुप्ता आदि उपस्थित रहे । संचालन महासचिव श्री प्रदीप श्रीवास्तव एवं आभार ई.एम.एस. गुप्ता ने व्यक्त किया ।